**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**06.03.2020 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1869 का उत्तर**

**रेलगाड़ियों में इसरो द्वारा विकसित जीपीएस संस्थापित करना**

**1869. श्री आर. वैद्यलिंगमः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या यह सच है कि कई रेलगाड़ियों की शुरू से लेकर गंतव्य तक की यात्रा के दौरान उनकी सटीक गति और संचालन की निगरानी करने हेतु उनमें इसरो द्वारा विकसित जीपीएस संस्थापित किए गए थे;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस नई प्रणाली ने रेल नियंत्रण प्रणाली के कार्यों में सुधार करने के लिए केन्द्र नियंत्रण कार्यालय तक रेलगाड़ियों की गति के स्वचालित सम्प्रेषण और संचालन को सुगम बना दिया है; और

(ग) क्या यह भी सच है कि इस नए उपकरण से न केवल अनिर्धारित स्टॉपेज और खराबी का पता लगाने बल्कि माल की चोरी का पता लगाने में भी मदद मिलेगी, जोकि काफी व्याप्त है?

**उत्तर**

**रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)**

(क) से (ग): जी हां। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सहयोग से विकसित वास्‍तविक समय सूचना प्रणाली (आरटीआईएस) को गाड़ियों के आगमन तथा प्रस्थान अथवा रन-थ्रू सहित स्टेशनों पर गाड़ियों के संचलन समय की स्वत: सूचना प्राप्त करने के लिए रेल इंजनों पर स्‍थापित किया जा रहा है। वे कंट्रोल ऑफिस एप्लिकेशन (सीओए) प्रणाली में उन गाड़ियों के नियंत्रण चार्ट में स्वतः प्लॉट हो जती हैं।

आरटीआईएस 30 सैकेंड की आवधिकता में मिड-सेक्शन अपडेट देता है। गाड़ी नियंत्रक अब आरटीआईएस वाले इंजनों/गाड़ियों के लोकेशन और गति का बिना किसी मैनुअल हस्तक्षेप से अधिक निकटता से पता लगा सकता है। इस प्रकार, यह गा‍ड़ी नियंत्रक को माल की चोरी के कारण हुए ठहराव सहित किसी भी अनिर्धारित ठहराव का पता लगाने में सक्षम बनाएगा जिससे गाड़ी नियंत्रण की दक्षता को सुधार लाने में सहायता मिलेगी।

\*\*\*\*\*\*